येसु के जनम

लेखक Edward Hughes
ब्याख्याकर M. Maillot

अनुवादक सुरेश मसीह
अनुकूलित E. Frischbutter; Sarah S.

कहानी 36 से 60

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

येसु के जनम

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

मत्ती १-२, लूकस १-२

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के घरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीहीं ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकीं । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !

सुरेश मसीह Bhojpuri

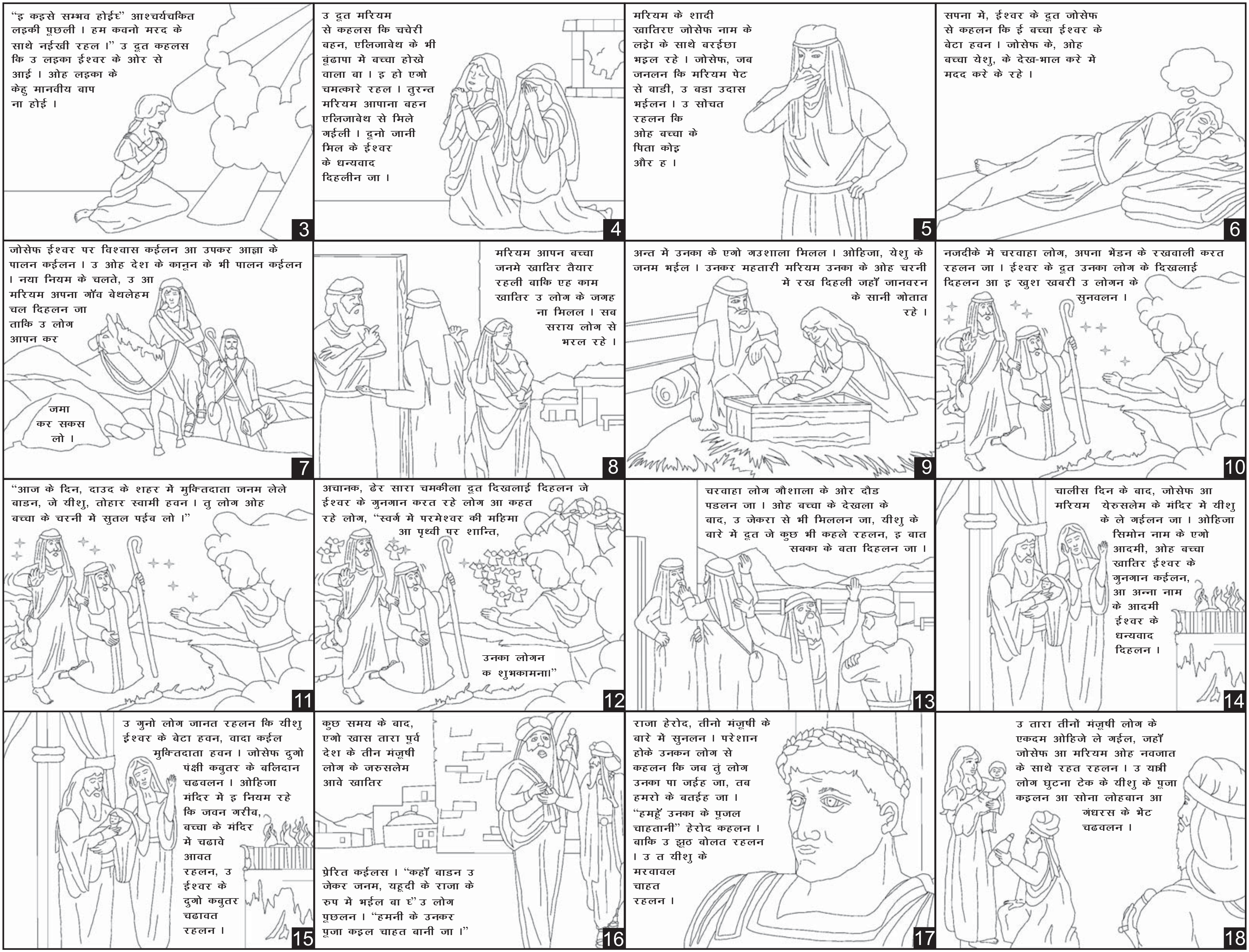
“इ कइसे सम्भव होईद” आश्चर्यचकित लइकी पूछली । हम कवनो मरद के साथे नईखी रहल ।” उ दूत कहलस कि उ लइका ईश्वर के ओर से आई । ओह लइका के केहु मानवीय बाप ना होई ।
3
उ दूत मरियम से कहलस कि चचेरी बहन, एलिजाबेथ के भी बूढापा में बच्चा होखे वाला बा । इ हो एगो चमत्कारे रहल । तुरन्त मरियम आपाना बहन एलिजाबेथ से मिले गईली । दूनो जानी मिल के ईश्वर के धन्यवाद दिहलीन जा ।
4
मरियम के शादी खातिरए जोसेफ नाम के लइ़का के साथे बरईछा भइल रहे । जोसेफ, जब जनलन कि मरियम पेट से बाडी, उ बडा उदास भईलन । उ सोचत रहलन कि ओह बच्चा के पिता कोइ और ह ।
5
सपना मे, ईश्वर के दूत जोसेफ से कहलन कि ई बच्चा ईश्वर के बेटा हवन । जोसेफ के, ओह बच्चा येशु, के देख-भाल करे में मदद करे के रहे ।
6
जोसेफ ईश्वर पर विश्वास कईलन आ उपकर आज्ञा के पालन कईलन । उ ओह देश के कानून के भी पालन कईलन । नया नियम के चलते, उ आ मरियम अपना गाँव बेथलेहम चल दिहलन जा ताकि उ लोग आपन कर जमा कर सकस लो ।
7
मरियम आपन बच्चा जनमे खातिर तैयार रहली बाकि एह काम खातिर उ लोग के जगह ना मिलल । सब सराय लोग से भरल रहे ।
8
अन्त में उनका के एगो गउशाला मिलल । ओहिजा, येशु के जनम भईल । उनकर महतारी मरियम उनका के ओह चरनी में रख दिहली जहाँ जानवरन के सानी गोतात रहे ।
9
नजदीके मे चरवाहा लोग, अपना भेंडन के रखवाली करत रहलन जा । ईश्वर के दूत उनका लोग के दिखलाई दिहलन आ इ खुश खबरी उ लोगन के सुनवलन ।
10
“आज के दिन, दाउद के शहर में मुक्तिदाता जनम लेले बाडन, जे यीशु, तोहार स्वामी हवन । तु लोग ओह बच्चा के चरनी में सुतल पईब लो ।”
11
अचानक, ढेर सारा चमकीला दूत दिखलाई दिहलन जे ईश्वर के गुनगान करत रहे लोग आ कहत रहे लोग, “स्वर्ग में परमेश्वर की महिमा आ पृथ्वी पर शान्ति, उनका लोगन क शुभकामना।”
12
चरवाहा लोग गौशाला के ओर दौड पडलन जा । ओह बच्चा के देखला के बाद, उ जेकरा से भी मिललन जा, यीशु के बारे में दूत जे कुछ भी कहले रहलन, इ बात सबका के बता दिहलन जा ।
13
चालीस दिन के बाद, जोसेफ आ मरियम येरुसलेम के मंदिर में यीशु के ले गईलन जा । ओहिजा सिमोन नाम के एगो आदमी, ओह बच्चा खातिर ईश्वर के गुनगान कईलन, आ अन्ना नाम के आदमी ईश्वर के धन्यवाद दिहलन ।
14
उ गुनो लोग जानत रहलन कि यीशु ईश्वर के बेटा हवन, वादा कईल मुक्तिदाता हवन । जोसेफ दुगो पंक्षी कबुतर के बलिदान चढवलन । ओहिजा मंदिर में इ नियम रहे कि जवन गरीब, बच्चा के मंदिर मे चढावे आवत रहलन, उ ईश्वर के दुगो कबुतर चढावत रहलन ।
15
कुछ समय के बाद, एगो खास तारा पूर्व देश के तीन मंजूषी लोग के जरुसलेम आवे खातिर प्रेरित कईलस । “कहाँ बाडन उ जेकर जनम, यहूदी के राजा के रुप में भईल बा द” उ लोग पूछलन । “हमनी के उनकर पूजा कइल चाहत बानी जा ।”
16
राजा हेरोद, तीनो मंजूषी के बारे में सुनलन । परेशान होके उनकन लोग से कहलन कि जब तुं लोग उनका पा जईह जा, तव हमरो के बतईह जा । “हमहूँ उनका के पूजल चाहतानी” हेरोद कहलन । बाकि उ झूठ बोलत रहलन । उ त यीशु के मरवावल चाहत रहलन ।
17
उ तारा तीनों मंजूषी लोग के एकदम ओहिजे ले गईल, जहाँ जोसेफ आ मरियम ओह नवजात के साथे रहत रहलन । उ यात्री लोग घुटना टेक के यीशु के पूजा कइलन आ सोना लोहबान आ गंधरस के भेट चढवलन ।
18